PRACTICE TEST - II - 2017-2018 8.12.17

CLASS - X Sub - Hindi

खंड 'क' व्याख्या सहित उत्तर (Answer Script)

1 I (क) आचार-विचार की एक पद्धति। (5)

II (ख) अहिंसात्मक

III (ख) आंतरिक सदाचार

IV (ख) सामाजिक एवं आर्थिक विषमताओं को मिटाए बिना

V (क) अप्रभुत्व

2 I व्यक्ति जब मौज-मस्ती की ज़िंदगी जीने लगता है। (1×5)

II संकल्प की आवश्यकता होती है।

III चंचलता और मौज-मस्ती की ज़िन्दगी से।

IV चंचलता - में 'ता' प्रत्यय है।

V 'चंचलता' प्रगति में बाधक / या अन्य

3 I (ख) III (क) V (क) (1×5)

II (ख) IV (ख)

4 I बच्चों की चर्चा की गई है। (1×5)

II बच्चे होते हैं।

III 'गंगा का जल'

IV घर की रौनक

V 'चंचल बच्चे'

खंड - 'ख' (1×3)

5 (i) सरल वाक्य

(ii) जो व्यक्ति साहसी होते हैं, वे संकटों से घबराते नहीं।

(iii) मिश्र वाक्य।

P.T.O

Q No-6.

(i) तानसेन को संगीत सम्राट भी कहा जाता है। (1×4)

(ii) हम वह दृश्य नहीं देख सके।

(iii) आओ, नौका विहार किया जाए।

(iv) लड़कियों द्वारा देश-प्रेम का एक मार्मिक गीत सुनाया गया।

~~(v)~~

7 (i) शाबाश – हर्षसूचक विस्मयादिबोधक। (1×4)

(ii) मैं – उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पु., कर्ताकारक।

(iii) रक्षिता - व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्री., एकवचन, कर्ता कारक।

(iv) रामायण - जातिवाचक सर्वनाम, पु., एकवचन, कर्ता कारक।

8 (i) करुण (ii) हास (iii) वात्सल्य (iv) रति (1×4)

खण्ड -'ग'

9 (i) जो व्यक्ति अपनी बुद्धि और विवेक से समाज को (5×3) किसी नए तथ्य से अवगत कराता है। ऐसा व्यक्ति नए-नए आविष्कार करता है। संस्कृत व्यक्ति नए-नए अनुसंधान करते हैं। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत खोजा। वह संस्कृत व्यक्ति थे।

(ii) आग व सुई-धागे का आविष्कार व्यक्ति विशेष की जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर हुआ है; वही योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा संस्कृति है और इसी संस्कृति के द्वारा आविष्कार की गई वस्तुएँ- आग व सुई-धागे सभ्यता के उदाहरण हैं।

(iii) बच्चों का स्वभाव होता है अपने हमउम्रों के साथ खेलना-कूदना। यदि वह साथियों के साथ रोता-सिसकता तो बच्चे उसका मजाक उड़ायेंगे। अपने मित्रों के साथ भोलानाथ को खेलने में बहुत आनंद आता था। वह अपने साथियों की मस्ती देखकर उसी में मग्न हो जाता था।

10 (i) बादल को गरजने से मन में मधुर भावनाएँ जन्म लेती हैं। कवि को बादल का गरजने वाला स्वरूप पसंद है। बादल का गरजना एवं बरसना क्रांति का प्रतीक है। (2×5)

(ii) चारों ओर फागुन का सौन्दर्य बिखरा पड़ा है। इस समय डालियाँ कहीं लाल, तो कहीं हरे-हरे पत्तों से लदी दिखाई देती हैं। इसी कारण कवि की आँख फागुन की सुंदरता से नहीं हट रही है।

(iii) - अपने रूप-सौंदर्य पर कभी गर्व मत करना।
- वस्त्र और आभूषण से भ्रमित मत होना।
- आग का प्रयोग रोटियाँ सेकने के लिए है, न कि जलने के लिए।
- कभी अत्याचार का सहन नहीं करना।

IV - जिस लड़की का कन्यादान कर रही थी वह अभी सयानी अर्थात समझदार नहीं हुई है। अभी वह अत्यंत भोली-भाली है। उसकी बेटी उसके लिए अंतिम पूँजी थी। क्योंकि वह दूसरे घर जाने वाली है।

V 'कन्यादान' कविता में लड़की की माँ उसे भावी जीवन के प्रति सचेत कर रही है। 'माँ' के द्वारा इस कविता में यह संदेश दिया गया है कि सुंदरता, कोमलता, वस्त्र, आभूषण आदि के माध्यम से स्त्रियों को बंधनों में बाँध दिया जाता है।

खंड - ब (10+5+5) = 20

नोट:- प्रश्न - 11, 12 एवं 13 के उत्तर अपने अभ्यास से करें।

— × — × —

55211